



17

झाँसी की रानी की समाधि पर



इस समाधि में छिपी हुई है,
एक राख की ढेरी।
जलकर जिसने स्वतंत्रता की,
दिव्य आरती फेरी।

यह समाधि यह लघु समाधि है,
झाँसी की रानी की।
अन्तिम लीला स्थली यही है,
लक्ष्मी मरदानी की॥

यहीं कहीं पर बिखर गयी वह,
भग्न विजय माला—सी।
उसके फूल यहीं संचित हैं,
है यह स्मृति शाला—सी॥

सहे वार पर वार अंत तक,
लड़ी वीर बाला-सी।
आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर,
चमक उठी ज्वाला-सी॥

बढ़ जाता है मान वीर का,
रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की,
भस्म यथा सोने से॥

रानी से भी अधिक हमें अब,
यह समाधि है प्यारी।
यहाँ निहित है स्वतंत्रता की,
आशा की चिनगारी॥

इससे भी सुंदर समाधियाँ,
हम जग में हैं पाते।
उनकी गाथा पर निशीथ में,
क्षुद्र जंतु ही गाते ॥

पर कवियों की अमर गिरा में,
इसकी अमिट कहानी।
स्नेह और श्रद्धा से गाती,
है वीरों की बानी॥

बुंदेले हरबोलों के मुख,
हमने सुनी कहानी।
खूब लड़ी मरदानी वह थी,
झाँसी वाली रानी॥

— सुभद्रा कुमारी चौहान



सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म सन् 1904 (प्रयाग) में हुआ था। इनकी रचनाओं में राष्ट्र-भक्ति, प्रेम और प्रकृति का सुंदर चित्रण मिलता है। इनकी रचनाओं में मुकुट, त्रिधारा, बिखरे मोती, झाँसी की रानी एवं वीरों का कैसा हो वसंत आदि प्रमुख हैं। इनकी मृत्यु 1948 में हुई थी।





शब्दार्थ

दिव्य =	चमकती हुई, अति सुंदर	मूल्यवती =	बहुत कीमती
लघु =	छोटी	निहित =	छिपा कर रखी हुई
भग्न =	टूटी हुई	निशीथ =	अर्धरात्रि
संचित =	इकट्ठा	क्षुद्र जंतु =	छोटे जीव-जंतु
फूल =	चिता जलने के बाद	गिरा =	वाणी
	बची हड्डियों के अवशेष		

1. बोध प्रश्न : उत्तर लिखिए -

- (क) रानी की समाधि किन-किन बातों की याद दिलाती है ?
- (ख) 'रानी की समाधि में स्वतंत्रता की आशा की चिनगारी छिपी है' - ऐसा क्यों कहा गया है ?
- (ग) रानी की समाधि तथा अन्य समाधियों में क्या अंतर है ?
- (घ) युद्ध भूमि में बलिदान के बाद वीर का मान बढ़ जाता है। इस कथन के समर्थन में कवि ने क्या उदाहरण दिया है ?

2. नीचे लिखी पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए -

- (क) पर कवियों की अमर गिरा में,
इसकी अमिट कहानी।
स्नेह और श्रद्धा से गाती,
है वीरों की बानी ॥
- (ख) बढ़ जाता है मान वीर का,
रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की,
भस्म यथा सोने से ॥



3. सोच— विचार : बताइए—

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम इतिहास में अमर क्यों है ?

4. भाषा के रंग —

‘क’ वर्ग में दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द ‘ख’ वर्ग से मिलान कीजिए —

(क)	(ख)
स्वतन्त्र	वाणी
रण	राख
गाथा	एकत्र
संचित	स्वाधीन
गिरा	कहानी
भस्म	युद्ध

5. तुम्हारी कलम से —

अपने आस-पास की किसी महिला के द्वारा किए गए बहादुरी के कार्यों को अपने शब्दों में लिखिए।

6. अब करने की बारी —

(क) सुभद्राकुमारी चौहान ने झाँसी की रानी पर ही एक और कविता लिखी है। उसे पुस्तकालय से खोजकर पढ़िए।

(ख) कविता की आठ पंक्तियाँ याद कर कक्षा में हाव-भाव के साथ सुनाइए।

(ग) आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले कुछ अन्य वीरों के नामों की सूची बनाइए।

7. मेरे दो प्रश्न : कविता के आधार पर दो सवाल बनाइए —

1.
2.

8. इस कविता से —

(क) मैंने सीखा —

(ख) मैं करूँगी/करूँगा —

